

यीशु मसी रौ जनम



bangani

यीशु मसी रौ जनम

bangani
uttarkashi, uttrakhand, india



For permission to reuse, contact the copyright holder.

Bangani Language Book
Red level book

परकाशण:-

NLCI

बंगाणी मसी समिति समू

दो बातें

हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें यीशु मसीह का जन्म किस प्रकार से हुआ, उसके बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।



यउदा देश दि मरियम नौऊं रि एक
कुंवारी लौड़की रौए थी।
ज़िरि माँगणी यूसुफ नौऊं रै माणछे रै
साथै उइयौन्दि थी।



एक दूस एक स्वर्गदूत मरियम काइ
आओ। मरियम स्वर्गदूत देखियौ बौरि
डौरी मौरि। स्वर्गदुतेइ बोलौ डौरै ना
परमेश्वर रि दया ताउँदि उइयौन्दि।



ਤੂ ਪਬਿਤਰ ਆਤਮਾ ਰਿ ਬਾਝੈ ਕਾਇ
ਗੌਰਕੇਡੀ ਔਯੈ ਲੀ। ਔਝਿ ਤੂ ਏਕ
ਬੇਟਾ ਜ਼ਾਨਮੇਲੀ ਤੇਸਰੈ ਨਾਉਂ ਯੀਸ਼ੁ ਥਾਏ।
ਸੇਤੁ ਮਹਾਨ ਔਝਿ ਪਰਮੇਸ਼ੁਰ ਰੈ ਬੇਟਾ
ਔਯੈ ਲੈ।



मरियमेइ बोलौ एशौ-केशौ उइ सौकै
आउं तै इबी कुंवारी। तैबै स्वर्गदुतेइ
बोलौ पबित्र आत्मा ताउंदि आए लौ।
परमेश्वर रि शौक्ति तेरै साथै रौएली।



सेउ पबित्र औज़ि परमेश्वर रौ बेटा
औयै लौ। तैबै मरियमेइ बोलौ जेशौ
ताइं बोलौ तेशौइ मेरै साथै औयै लौ।
तैबै स्वर्गदूत तेतकौइ पोरु बागौ।



मरियम यूसुफ रै साथै नौऊं लिखान्दै
बैतलम खि डेइ। सेजै बौक्तेदि मरियम
गौरकेड़ी थी। तेत्कै मरियम रै
औळखिणैरै दूस बि पुरै उइ गोए थै।
पर तिउँकै तेत्कै सराय दि रुकणेखि
ज़ागा ना मिली।



एज़ी बौज़ै कौड़ से दुइयां ज़ौणै एक
ओबरै पोरु रुकै । तेत्कै मरियम रौ
एक बेटा उवौ तिउं सेउ चौरणि दि
थौ ।



बैतलम दि बेड़ चौराणै वालै बेड़ुं रि
चोकिदारि राऐ थै कौरदै लागी।
स्वर्गदूत बेडवाळु काइ आए, सै
तेसदि बौरि डौरी मौरै। तैबै स्वर्गदुतेइ
बोलौ कि डौरियौ ना आउँ तुम्कै
बौड़िया खबर शुणाऊं।



एत्रा तुमारौ छुटकारौ कौरनै वाळै रौ
जनम उवौ सेउइ पौरबु मसी। तुमै तेस
जुड़कै पोरु लौपेटौन्दौ चौरणि दि
देखैलै। तैबै सै परमेश्वर रि महिमा
कौरियो। स्वर्गदूत तेतकौइ स्वर्ग खि
डै।



एशौ देखणेखि बेड़वाळ बैतलम खि
डै। तिउं तेत्कै एक माऊं जुड़कै पोरु
लौपेटौन्दौ चौरणि दि देखौ। एशौ
देखियौ सै बि परमेश्वर रि महिमा,
स्तुति कौरियौ वापस डै। तैबै तिउं
तेसरौ नौऊं यीशु थौ।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे कि बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....धन्यवाद.....



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.